राष्ट्रीय सहारा
कानपुर
शुक्रवार • 27 अगस्त • 2021

शोध कार्यों के लिए सीएसए को राज्यपाल ने सराहा

राजभवन बुला सीएसए कुलपति डॉ.डीआर सिंह सहित सहयोगियों की ठोंकी पीठ

मूंग, गेहूं, सरसों, मूंगफली, तोरिया, अलसी की नई प्रजातियां पहुंचीं किसानों के पास

4 से 5 घंटे में अलसी के डंठल से धागा बनाने की तकनीक पेटेंट

कानपुर (एसएनबी)। कुलाधिपति व प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा विकसित मूंग, सरसों, मूंगफली, तोरिया व अलसी की नई लाभदायी उन्नत प्रजातियों की सराहना की है। राज्यपाल ने विवि कुलपति डॉ.डीआर सिंह सहित संबंधित शोध परियोजनाओं की अगुवाई करने वाले वैज्ञानिकों को राजभवन (लखनऊ) बुलाकर विस्तृत जानकारी ली। अलसी के डंठल से धागा निकालने की विधि के लिए विवि को मिले पेटेंट से अवगत कराया गया।

विवि की शोध उपलब्धियों की समीक्षा के लिए विवि कुलपति डॉ.डीआर सिंह को बुलाया गया था। साथ में शोध कार्यों में संलग्न वैज्ञानिकों में डॉ. रितू पांडे, डॉ.नलिनी तिवारी, डॉ. महक

सीएसए कुलपति को सम्मानित करतीं राज्यपाल।

सिंह व निदेशक शोध डॉ.एचजी प्रकाश भी मौजूद रहे। डॉ.रितु पांडे ने अलसी के डंठल से कम समय में उच्च गुणवत्ता युक्त रेशे निकालने की विधि के पेटेंट के संबंध में विस्तार से बताया। इस तकनीक से 4 से 5 घंटे में अलसी के डंठल से धागा निकाला जाता है। डॉ.नलिनी तिवारी ने दवा उद्योग के लिए उपयोगी अधिक ओमेगा-3 वाले अलसी की प्रजाति सूर्या की जानकारी दी। निदेशक शोध व डॉ.महक सिंह ने भी अन्य महत्वपूर्ण शोध परिणामों को इंगित किया।

कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने कुपोषण से मुक्ति के लिए किये जा रहे प्रयासों सहित प्राकृतिक एवं जैविक खेती व फसलों में बीमारी की रोकथाम हेतु रोबोटिक्स के प्रयोग के साथ ही विभिन्न शोध परियोजनाओं के लिए विभिन्न संस्थानों के साथ किये गये समझौता अनुबंधों की जानकारी दी। विवि प्रवक्ता डॉ.खलील खान के अनुसार राज्यपाल ने विवि द्वारा किये जा रहे शोध, प्रसार गतिविधियों की सराहना की व कुलपति को बधाई दी।

'किसानों के लिए भोजन व पोषण' पर मंथन

कानपुर (एसएनबी)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में मनाये जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अंतर्गत 'किसानों के लिए भोजन और पोषण' पर विचार मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद के अटारी कानपुर निदेशक डॉ.अतर सिंह ने कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक, वैज्ञानिक व कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष व वैज्ञानिकों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में कहा गया कि देश में खाद्यान्न की कोई समस्या नहीं है। फिर भी कुपोषण की समस्या सही अनुपात में पोषकतत्व न मिल पाने के कारण कायम है। इसको देखते हुए सरकार कुपोषण दूर करने को कई कार्यक्रम चला रही है। बॉयो फोर्टिफाइड प्रजातियां, पोषण थाली, न्यूट्री गार्डेन आदि के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2023 को सरकार ने 'पोषण वर्ष' के रूप में मनाना तय किया है।

दैनिक जागरण 7
कानपुर, 27 अगस्त, 2021

मुलाकात | फसलों की नई प्रजातियों को लेकर राज्यपाल ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

राज्यपाल से मिले सीएसए वैज्ञानिक

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से इस वर्ष विकसित की गई फसलों की नई प्रजातियों के बारे में जानकारी दी।

कृषि की तकनीक से अवगत कराया। राज्यपाल ने कुलपति डा. डीआर सिंह समेत अन्य वैज्ञानिकों को बधाई दी। निदेशक शोध डा. एचजी प्रकाश, डा. महक सिंह, डा. नलिनी तिवारी, डा. रितु पांडेय मौजूद रहे। डा. डीआर सिंह ने बताया कि भारत सरकार की ओर से विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई फसलों की नई प्रजाति को मान्य किया है। डा. रितु पांडेय ने अलसी के डंठल से चार से पांच घंटे में रेशे निकालने की तकनीक विकसित की है। इसको पेटेंट कराया गया है। राज्यपाल ने डा. पांडेय से इसके फायदे पूछे। डा. नलिनी तिवारी ने अलसी की नए प्रजातियों में ओमेगा थ्री की अधिक मात्रा होने की जानकारी दी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पेटेंट की प्रतिलिपि सौंपते चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डीआर सिंह और डा. रितु पांडेय (बाएं) • सीएसए

अमर उजाला

शुक्रवार • 27.08.2021 05

kanpur.amarujala.com

कुलपति ने की राज्यपाल से मुलाकात

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने गुरुवार को शिक्षकों और वैज्ञानिकों के साथ लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। राज्यपाल को विश्वविद्यालय में किए गए शोध के बारे में बताया। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि राज्यपाल ने शोध कार्यों की सराहना की है। (संवाद)